an>

12.11 hrs

Title: Visible cracks in 18 piers being constructed by Delhi Metro Rail Corporation

MADAM SPEAKER: The House shall now take up Matters of Urgent Public Importance, 'Zero Hour'.

Shri Ashok Argal - Not present.

Rajkumari Ratna Singh - Not present.

Shri Syed Shahnawaz Hussain.

*m01

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर): अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से मैट्रो, जिसके बारे में अभी मंत्री जी ने यहां पर जिक्र किया है, सवाल उठाना चाहता हूं। यह सही है कि सरकार ने एक स्टेटमेंट दिया कि वह यह कार्रवाई कर रही है। लेकिन इतना बड़ा प्रोजैक्ट, जो आज मैट्रो का पूरी दुनिया में मशहूर हो रहा है, भारत में एक अच्छा प्रोजैक्ट, एक सफल प्रोजैक्ट यहां चल रहा है। अखबारों से सूचना मिली है कि केन्द्रीय सचिवालय के 8 खम्भों में दरार है, गुड़गांव कोरीडोर के 8 खम्भों में दरार है, नोएडा कोरीडोर के दो खम्भों में दरार है। मैं आपके माध्यम से यह अवगत कराना चाहता हूं कि इसमें बड़ी तादाद में मजदूर भी मर रहे हैं। खासकर जो मैट्रो के लोग हैं, वे न्यूज़ चैनल्स को वे रिपोर्ट्स, अखबारों की कटिंग और फोटो भेज रहे हैं कि और जगह भी इस तरह का काम होता है तो लोग मरते हैं। इससे इन लोगों के, मजदूरों के मरने को वे जस्टीफाई कर रहे हैं।

मेरा इसमें आपसे अनुरोध है कि बड़ी तादाद में बिहार के लोग, मजदूर उसमें काम करते हैं। पिछली बार जो मजदूर मरे थे, उनमें 6 लोग मरे थे। उनमें से तीन हमारी कांस्टीट्वेंसी भागलपुर के थे। वहां एक लतीपुर गांव है, उस गांव के तीन लोग मरे थे। मैं आपके माध्यम से यह अनुरोध करना चाहता हूं कि हम इस विषय को सेंसेशनलाइज़ नहीं करना चाहते, हम यह चाहते हैं कि मैट्रो का काम अच्छा हो। उसके सी.एम.डी. अच्छा काम कर रहे हैं, लेकिन जल्दबाजी में कहीं...(व्यवधान) गुरुदास दासगुप्त जी ने मैट्रो का इतना महत्वपूर्ण विषय उठाया और उन्होंने जाकर मंत्री जी को बिजी कर दिया। मैं वही विषय उठा रहा हूं, जिसका जीरो ऑवर में मैने नोटिस दिया है तो मैं चाहूंगा कि मंत्री जी इसको ध्यान से सुनें।

हम इस विषय को सेंसेशनलाइज़ तो नहीं करना चाहते, लेकिन हम आपसे अनुरोध करना चाहते हैं कि आज ठेकेदारों को 500 करोड़ रुपये महीने का भुगतान हो रहा है तो इसका क्या कारण है? अभी मैट्रो चलनी शुरू नहीं हुई है, कल यह प्रोजैक्ट कम्पलीट हो जायेगा। बिना मैट्रो चले हुए दरारें दिखने लगी हैं और ये दरारें 1-2 नहीं हैं, कई खम्भों में दरारें आई हैं। इतने बड़े ड्रीम प्रोजैक्ट को हिन्दुस्तान के लोग बहुत उम्मीद के साथ देखते हैं तो मेरा आपके जरिये मंत्री जी से अनुरोध है कि सरकार गम्भीरता से इस विषय को ले। कल ऐसा न हो कि कोई और बड़ी घटना हो तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? इस जिम्मेदारी से सरकार नहीं बच सकती है तो सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। इसमें डी.एम.आर.सी. के चेयरमैन ने यह माना है कि बड़े ठेकेदार, अकुशल मजदूर और करप्ट टैंडर सिस्टम के कारण मैट्रो कार्य का निर्माण प्रभावित हुआ है। आपने 2-4 आफसरों को सैक कर दिया, किसी का ट्रांसफर कर दिया, लेकिन इससे आपकी जिम्मेदारी खत्म नहीं होती है। आपकी जिम्मेदारी जनता के प्रति है। जो मजदूर इसको बना रहे हैं, वे भी इस देश के हैं। उनकी जान जा रही है और मेरी चिन्ता इसलिए है कि हमारे बिहार के ज्यादातर मजदूर उसमें काम कर रहे हैं और जो मर गये, उनको एक रुपया मुआवजा नहीं दिया। रेलवे में अगर कोई मर जाता है तो उसको नौकरी मिलती है। उनको मुआवजा मिलता है, लेकिन उनके साथ बहुत अन्याय हो रहा है। मैं चाहूंगा कि मंत्री जी इस पर रेस्पांड करें।

*m02

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI S. JAIPAL REDDY): Madam, with your permission, may I respond because I am afraid all the comments will otherwise go on record without my having the opportunity to respond?

First of all, I would request the hon. Member and all the Members to draw a substantive distinction between the accidents that take place at the construction time and the accidents that take place at the operation time. May I tell you with certain degree of pardonable pride that during the last seven years of Phase-I DMRC working not one accident has taken place? Therefore, accidents at the construction time are unfortunate but sometimes unavoidable. May I tell you, going by global benchmarks, we are doing fairly well. We are slightly behind London and we are slightly ahead of Singapore. There is no need to be alarmed.

As for the piers on which visible cracks have appeared, we have found visible cracks on 18 piers so far. As I have stated in the Statement, every cantilever pier will be examined thoroughly. All the possible steps will be taken. These 18 piers have been identified. We will find out whether the cracks are superficial or structural. If the cracks are structural there are methods of strengthening those piers. I do not think there is any need to worry at all.

MADAM SPEAKER: Shri Kaushalendra Kumar − Not present.